**MEDIA RELEASE**

# JNPA highlights the Sagarmala projects undertaken on the completion of Seven years of Sagarmala

**Mumbai, April 08, 2022:** Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA), India's premier container port, organized a media meet chaired by Shri Sanjay Sethi, IAS, Chairman, JNPA in the presence of Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, Dy. Chairman, JNPA, on the completion of seven years of Sagarmala - the flagship programme of the Ministry of Shipping initiated by the Government of India in the year 2015. JNPA has undertaken various projects aligning with the five pillars of the Sagarmala Programme - Port Modernization & New Port Development, Port Connectivity Enhancement, Port Led Industrialization, Coastal Community Development and Coastal Shipping.

The Sagarmala initiative has successfully enabled the Indian ports to handle large volumes by making them more efficient and reducing the turnaround time of containers. Numerous projects have been undertaken across various categories such as port modernization, rail, road, cruise tourism, RORO, ROPAX, fisheries, coastal infrastructure and skill development. Due to the immense potential in Maharashtra's coastal region, 131 projects worth Rs. 1.05 lac crore have been proposed to be implemented in Maharashtra.

Speaking at the occasion, Shri Sanjay Sethi, IAS, Chairman, JNPA, said, "JNPA plays a pivotal role in the governments' initiative of the Sagarmala to boost the port-led industrialization. JNPA has multiple projects under Sagarmala based on the four-fold view- to change dynamics & reduce logistics costs in India, boost overall economic development through ports and empower coastal communities put across by the ministry."

"Acting as the major catalyst for the trade and shipping industry, JNPA's projects like the fourth container terminal, JNPA SEZ, Dry Ports at Wardha and Jalna, additional liquid cargo jetty, and many more will foster port's ease of doing business and take Indian EXIM to greater heights," he added further.

During the conference, a video and presentation on the numerous projects undertaken by JNPA under Sagarmala Programme were presented to the media, followed by an interactive session with the Chairman.

Maritime infrastructure plays a vital role in the nation's economy; aligning with the Maritime India Vision 2030, Sagarmala initiatives will further boost infrastructure and drive investments to

improve regional connectivity to aid trade. The Sagarmala initiative will further enable the ports to meet global standards and play a crucial in bolstering the nation's economic development.

**About JNPA:**

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) at Navi Mumbai is one of the premier container handling ports in India. Commissioned on 26th May 1989, in less than three decades of its operations, JNPA has transformed from a bulk-cargo terminal to become the premier container port in the country.

Currently JNPA operates five container terminals: The Jawaharlal Nehru Port Container Terminal (JNPCT), the Nhava Sheva International Container Terminal (NSICT), the Gateway Terminals India Pvt. Ltd. (GTIPL), Nhava Sheva International Gateway Terminal (NSIGT) and the newly commissioned Bharat Mumbai Container Terminals Private Limited (BMCTPL). The Port also has a Shallow Water Berth for general cargo and another Liquid Cargo Terminal which is managed by BPCL-IOCL consortium and newly constructed coastal berth.

**For media enquiries, please contact:**


| | |
|---|---|
| Mumbai:<br>Shubham Panjari<br>Tel: +91 9833261798<br>e-mail: shubham@conceptpr.com | Mumbai:<br>Varsha Mehata<br>Tel: +91 77096 60420<br>e-mail: varsha@conceptpr.in |
| Mumbai:<br>Kiran Jadhav<br>Tel: +91 9769479937 / +91 9969614247<br>e-mail: kiran@conceptpr.com | |

जनेप प्राधिकरण
JNPA

# प्रेस विज्ञप्ति

## - 'सागरमाला' कार्यक्रम के अंतर्गत चल रही परियोजनाओं की जेएनपीएने की समीक्षा -

## - केंद्र सरकार के 'सागरमाला' कार्यक्रम को हुए सात वर्ष पूर्ण -

मुंबई, 08 अप्रैल, 2022: भारत के प्रमुख कंटेनर बंदरगाह जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए) में 'सागरमाला' के तहत विविध परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही है । भारत सरकार के पोत परिवहन मंत्रालय ने 2015 में 'सागरमाला' कार्यक्रम शुरू किया था, जिसे हाल ही में सात वर्ष पूर्ण हुए हैं । इस उपलक्ष्य में जेएनपीए के अध्यक्ष श्री संजय सेठी, भा.प्र.से., ने मीडिया प्रतिनिधियों की बैठक का आयोजन किया था । इस अवसर पर जेएनपीए के उपाध्यक्ष श्री उन्मेश शरद वाघ, भा.रा.से. उपस्थित थे । जेएनपीए ने 'सागरमाला' कार्यक्रम के पांच स्तंभों - बंदरगाहों का आधुनिकीकरण और नए बंदरगाहों का विकास, बंदरगाहों की कनेक्टिविटी का विस्तार, पत्तन आधारित औद्योगीकरण, तटीय क्षेत्र के समुदायों का विकास और तटीय पोत परिवहन- पर आधारित विविध परियोजनाएं हाथ में ली हैं ।

'सागरमाला' पहल ने भारतीय बंदरगाहों को अधिक कुशल बनाकर और कंटेनरों के टर्नअराउंड समय को कम करके बड़ी मात्रा में कार्गो प्रहस्तन में सक्षम बनाया है । जेएनपीएने बंदरगाहों का आधुनिकीकरण, रेल, सड़क मार्गों का विस्तार, क्रूज पर्यटन, रोरो, रोपैक्स, मत्स्य पालन, तटीय क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं तथा कौशल विकास जैसे विभिन्न श्रेणियों में कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं । महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्र में व्यापार की अपार संभावनाओं के कारण, महाराष्ट्र में 1.05 लाख करोड़ रुपयों की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं ।

SAGARMALA
PORT-LED PROSPERITY

इस अवसर पर बोलते हुए जेएनपीए के अध्यक्ष श्री संजय सेठी, भा.प्र.से. ने कहा, "जेएनपीए बंदरगाह आधारित औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार की 'सागरमाला' पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ।

'सागरमाला' के तहत जेएनपीए में चलाई जा रही विविध परियोजनाएं - भारत में यातायात को गतिशील बनाना, लॉजिस्टिक लागत को कम करना, बंदरगाहों के माध्यम से समग्र आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और तटीय समुदायों को सशक्त बनाना आदि चार लक्ष्यों पर आधारित हैं ।

श्री संजय सेठी ने आगे कहा "समुद्री व्यापार और पोत परिवहन उद्योग के लिए प्रमुख उत्प्रेरक के रूप में जेएनपीए की परियोजनाएं जैसे चौथा कंटेनर टर्मिनल, जेएनपीए एसईजेड, वर्धा और जालना में ड्राई पोर्ट्स, अतिरिक्त तरल कार्गो जेट्टी और कई अन्य परियोजनाओं से व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा मिलेगा और भारतीय आयात-निर्यात व्यापार और अधिक ऊंचाई पर पहुँचेगा" ।

बैठक के दौरान, 'सागरमाला' कार्यक्रम के तहत जेएनपीए द्वारा शुरू की गई कई परियोजनाओं पर मीडिया के लिए वीडियो द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया, जिसके बाद जेएनपीए के अध्यक्ष के साथ एक संवाद सत्र हुआ ।

समुद्री अवसंरचना देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है; 'समुद्री भारत विजन 2030' के साथ संरेखित, सागरमाला पहल से बुनियादी ढांचे को और बढ़ावा मिलेगा तथा इससे

व्यापार में सहायता के लिए क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में सुधार हेतु निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा । 'सागरमाला' पहल बंदरगाहों को वैश्विक मानकों को पूरा करने और देश के आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम बनाएगी ।

**जेएनपीटी के बारे में:**

नवी मुंबई में स्थित **जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए)** कंटेनर प्रहस्तन करनेवाला भारत का सबसे बड़ा पत्तन है, जो भारत के सभी महापत्तनों द्वारा प्रहस्तित कुल कंटेनरीकृत कार्गो के लगभग 52% कार्गो का प्रहस्तन करता है। **जेएनपीए** का आरंभ 26 मई 1989 को हुआ और अपने प्रचालन के तीन दशकों से भी कम समय में, **जेएनपीए** बल्क-कार्गो टर्मिनल से कंटेनर टर्मिनल में परिवर्तित होते हुए देश का प्रमुख कंटेनर पत्तन बन गया।

वर्तमान में जेएनपीटी में पांच कंटेनर टर्मिनल कार्यरत हैं: जवाहरलाल नेहरू पत्तन कंटेनर टर्मिनल (जेएनपीसीटी), न्हावा शेवा इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल (एनएसआईसीटी), गेटवे टर्मिनल इंडिया प्रा. लिमिटेड (जीटीआईपीएल), न्हावा शेवा इंटरनेशनल गेटवे टर्मिनल (एसएसआईजीटी) और हाल ही में शुरू हुआ भारत मुंबई कंटेनर टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (बीएमसीटीपीएल)। पत्तन में सामान्य कार्गो के लिए एक उथला घाट (शैलो वाटर बर्थ) और एक द्रव कार्गो टर्मिनल भी है, जिसे बीपीसीएल-आईओसीएल के संघ (कंसोर्शियम) द्वारा चलाया जाता है।

**For media enquiries, please contact:**

| | |
|---|---|
| Mumbai:<br>Shubham Panjari<br>Tel: +91 9833261798<br>e-mail: shubham@conceptpr.com | Mumbai:<br>Varsha Mehata<br>Tel: +91 77096 60420<br>e-mail: varsha@conceptpr.in |
| Mumbai:<br>Kiran Jadhav<br>Tel: +91 9769479937 / +91 9969614247<br>e-mail: kiran@conceptpr.com | |

**प्रसिद्धि पत्रक**

**- 'सागरमाला' उपक्रमांतर्गत सुरू असलेल्या प्रकल्पांचा जेएनपीएने घेतला आढावा' -**

**- 'सागरमाला' कार्यक्रमास सात वर्षे पूर्ण झाल्यानिमित्त माध्यमांना दिली -**

मुंबई, 08 एप्रिल, 2022 : भारतातील प्रमुख कंटेनर बंदर असलेल्या जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जेएनपीए) मध्ये 'सागरमाला' अंतर्गत विविध प्रकल्प प्रगतीपथावर आहेत. भारत सरकारच्या जहाज वाहतूक मंत्रालयाने 2015 मध्ये 'सागरमाला' कार्यक्रम सुरू केला होता, ज्यास नुकतीच सात वर्षे पूर्ण झाली. यानिमित्त जेएनपीएचे अध्यक्ष श्री संजय सेठी, भा.प्र.से., यांनी पत्रकार परिषद आयोजित केली होती. यावेळी जेएनपीएचे उपाध्यक्ष श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से. सुद्धा उपस्थित होते. बंदरांचे आधुनिकीकरण आणि नवीन बंदरांचा विकास, बंदर कनेक्टिव्हिटीचा विस्तार, बंदर आधारित औद्योगिकीकरण, किनारपट्टी भागाचा विकास आणि किनारपट्टीवरील जहाजवाहतूक हे 'सागरमाला' कार्यक्रमाचे पाच स्तंभ असून यावर आधारित विविध प्रकल्प जेएनपीए मध्ये सरू आहेत.

'सागरमाला' कार्यक्रमामुळे भारतीय बंदरे अधिक कार्यक्षम बनून व कंटेनरचा टर्नअराउंड वेळ कमी करून मोठ्या प्रमाणात माल वाहतूक करण्यास सक्षम झाले आहेत. बंदरांचे आधुनिकीकरण, रेल्वे, रस्ते मार्गांचा विस्तार, क्रूझ पर्यटन, रोरो, रो-पॅक्स, मत्स्यपालन, किनारी भागात पायाभूत सुविधा व कौशल्य विकास यासारख्या विविध क्षेत्रात जेएनपीएने विविध प्रकल्प हाती घेतले आले आहेत. महाराष्ट्राला लाभलेली विस्तीर्ण किनारपट्टी व अफाट व्यापार क्षमतेमुळे महाराष्ट्रात रू. 1.05 लाख कोटी रुपयांचे 131 प्रकल्प प्रस्तावित आहे.

यावेळी बोलताना जेएनपीएचे अध्यक्ष श्री संजय सेठी, भा.प्र.से., म्हणाले, "बंदर आधारित औद्योगिकीकरणास चालना देण्यासाठी केंद्र सरकारच्या 'सागरमाला' कार्यक्रमामध्ये जेएनपीए महत्त्वपूर्ण भूमिका बजावत आहे. जेएनपीए मध्ये 'सागरमाला' अंतर्गत विविध प्रकल्प सुरू असून सर्व प्रकल्प वाहतूक गतिमान करून लॉजिस्टिक खर्च कमी करणे, बंदरांच्या माध्यमातून आर्थिक

विकासास चालना देणे आणि किनारपट्टी भागातील समुदायाचे सशक्तीकरण या चार दृष्टिकोनावर आधारित आहेत.

श्री सेठी पुढे म्हणाले " जेएनपीए भारतातील सागरी व्यापार आणि जहाज वाहतूक उद्योगासाठी प्रमुख उत्प्रेरक असून, चौथे कंटेनर टर्मिनल, जेएनपीए एसईझेड, वर्धा आणि जालना येथील ड्राय पोर्ट्स, अतिरिक्त लिक्विड कार्गो जेट्टी व यासारख्या विविध प्रकल्पांमुळे बंदराच्या व्यवसायात सुलभता वाढेल आणि भारतीय आयात-निर्यात व्यापार अधिक उंचीवर पोहचेल".

पत्रकार परिषदेदरम्यान, सागरमाला कार्यक्रमांतर्गत जेएनपीएने हाती घेतलेल्या विविध प्रकल्पांचे व्हिडिओ सादरीकरण माध्यमांसमोर सादर करण्यात आले, त्यानंतर अध्यक्षांसोबत संवाद सत्र झाले.

देशाच्या अर्थव्यवस्थेत सागरी पायाभूत सुविधा महत्त्वाची भूमिका बजावतात; 'सागरमाला व्हिजन 2030' च्या अनुषंगाने, 'सागरमाला' उपक्रमामुळे पायाभूत सुविधांना अधिक चालना मिळेल आणि व्यापार वाढीस सहाय्यभूत प्रादेशिक संपर्क सुधारण्यासाठी मोठी गुंतवणूक होईल. सागरमाला उपक्रमामुळे भारतीय बंदरे जागतिक मानकांची पूर्तता करण्यास सक्षम होतील आणि देशाच्या आर्थिक विकासास चालना देण्यासाठी महत्त्वपूर्ण भूमिका बजावतील.

जेएनपीए विषयी :

जवाहरलाल नेहरू बंदर प्राधिकरण (जेएनपीए) हा नवी मुंबई येथील भारतातील सर्वात मोठे कंटेनर हाताळणीचे बंदर आहे. 26 मे 1989 मध्ये या बंदराची स्थापना झाली असून कामकाजाच्या तीनपेक्षा

कमी दशकांत जेएनपीटी हे देशातील बल्क-कार्गो टर्मिनलवरून प्रीमियर कंटेनर पोर्ट म्हणून नावारूपाला आले.

सध्या जेएनपीए येथे पाच कंटेनर टर्मिनल्स कार्यरत आहेत. ज्यामध्ये जवाहरलाल नेहरू पोर्ट कंटेनर टर्मिनल (जेएनपीसीटी), न्हावा शेवा इंटरनॅशनल कंटेनर टर्मिनल (एनएसआयसीटी), गेटवे टर्मिनल्स इंडिया प्रा. लि. (जीटीआयपीएल), न्हावा शेवा इंटरनॅशनल गेटवे टर्मिनल (एनएसआयजीटी) आणि नव्याने स्थापन करण्यात आलेल्या भारत मुंबई कंटेनर टर्मिनल्स प्रायव्हेट लिमिटेड (बीएमसीटीपीएल)चा समावेश आहे. या बंदरात सर्वसाधारण कार्गोकरिता शॅलो वॉटर बर्थ आणि आणखी एक लिक्विड कार्गो टर्मिनल आहे, ज्याचे व्यवस्थापन बीपीसीएल-आयओसीएल कन्सोर्टीयमद्वारे चालते.

**For media enquiries, please contact:**


| | |
|---|---|
| Mumbai:<br>Shubham Panjari<br>Tel: +91 9833261798<br>e-mail: shubham@conceptpr.com | Mumbai:<br>Varsha Mehata<br>Tel: +91 77096 60420<br>e-mail: varsha@conceptpr.in |
| Mumbai:<br>Kiran Jadhav<br>Tel: +91 9769479937 / +91 9969614247<br>e-mail: kiran@conceptpr.com | |